

लेस्बियन सेक्स : भाभी और ननद का प्यार

“मेरी शादी हो चुकी थी लेकिन मेरे पति दूर पोस्टेड थे. घर में मेरी कुंवारी ननद थी बस... हम दोनों भाभी ननद एक साथ सोती थी. एक रात मानी अपनी ननद को लैपटॉप में अश्लील साईट देखते हुए देखा. ...”

Story By: Payal Jain (gmssjodhpur)

Posted: Wednesday, November 7th, 2018

Categories: [लेस्बीयन सेक्स स्टोरीज](#)

Online version: [लेस्बियन सेक्स : भाभी और ननद का प्यार](#)

लेस्बियन सेक्स : भाभी और ननद का प्यार

दोस्तो, मेरा नाम पायल है। अन्तर्वासना पर भेजी गई एवं प्रकाशित होने वाली यह मेरी दूसरी स्टोरी है और मैं उम्मीद करती हूँ कि यह आप सभी को बहुत पसंद आएगी।

मेरी पहली कहानी थी

जोधपुर की भाभी संग पहला लेस्बीयन सैक्स

जिसे तमाम पाठकों ने पसंद किया था.

यह कहानी सच्ची है या काल्पनिक यह आप लोगों की समझ पर निर्भर करती है लेकिन मैं आपको यह भी कहना चाहूँगी कि पिछली स्टोरी की तरह आप आपने अमूल्य ईमेल भेजें लेकिन किसी भी प्रकार से सैक्स की मांग न करें क्योंकि मैं अपने शादीशुदा जीवन में आग नहीं लगाना चाहती, ना ही रंडी बनना चाहती हूँ।

तो अब तैयार हो जाइए एकदम नई स्टोरी के लिए।

मेरा नाम पायल जैन है और मेरी ननद का नाम प्रीति जैन है। हमारे घर में हम तीन लोग हैं... मैं, मेरे पति और मेरी ननद प्रीति। लेकिन मेरी ननद का इंजिनियरिंग में एडमिशन होने के कारण वह बाहर पढ़ने चली गई एवं आपको पता ही है कि मेरे पति की बाहर पोस्टिंग होने के कारण वो साल में 2-4 चार बार ही घर आ पाते हैं।

नवरात्रों के बाद के समय था और मैं मेरे घर पर अकेली ही थी क्योंकि मेरे पति नहीं आ पा रहे थे। लेकिन बाद में मुझे पता चला कि इस बार प्रीति आ रही है तो मैं खुश हो गई कि चलो इस बार दीपावली पर तो अकेली नहीं रहूँगी कोई को साथ होगा।

अब मैं आपको मेरी ननद के बारे में बताना चाहती हूँ. उसकी उम्र 21 साल है उसके शरीर की बनावट ऐसी है कि मोहल्ले और कॉलेज के सभी लड़के उसे भूखे कुत्ते की तरह देखते हैं

... कि कब मौका मिले और कब उसकी जवानी लूट लें !

और मेरी ननद का कहना है कि मैं उससे चार गुना ज्यादा सेक्सी हूँ. गोरा रंग, स्लिम फिगर और उस पर 23 साल की उम्र और मानो मुझे बनाने वाले ने मुझमें सेक्स टूंस टूंस कर भर दिया हो।

मेरे ससुर एवं मेरे पापा एक बहुत अच्छी नौकरी से रिटायर हुए थे और मेरे बड़े भाई भी सरकारी नौकरी में हैं और मेरे हमारे परिवार में कई लोग दबंग आदमी हैं इसलिए किसी की भी हिम्मत नहीं होती कि कोई हमें आंख उठाकर भी देख ले।

मेरा और प्रीति का रिश्ता एक भाभी, ननद से बढ़कर एक सखी की तरह है.. लेकिन फिर भी कुछ बातें ऐसी हैं जो मैं प्रीति से शेयर नहीं कर पा रही थी.. शायद किसी अंजान डर की वजह से। हमारे बीच हर तरह की बातें होती थी लेकिन मैंने प्रीति को यह कभी अहसास नहीं होने दिया कि मुझे अपने पति की कमी खलती है।

मेरी और अमित की शादी एक साल पहले ही हुई थी. उनकी छुट्टी शादी के दस दिन बाद खत्म हो गई थी इसलिए वो ड्यूटी पर चले गये थे। लेकिन कुछ दिनों बाद पता चला कि उनकी पोस्टिंग एक ऐसी जगह हो गई है जहां से 4-6 महीने पहले आना संभव नहीं था।

हमारा घर बहुत बड़ा है लेकिन फिर भी मेरी ननद मेरे साथ ही सोती थी उसी बैड पर जिस पर मेरे पति यानि मेरे जिस्म के मालिक सोते थे ताकि मुझे अकेलापन ना महसूस हो।

फिर एक रात जब मैं उठी तो मैंने देखा कि मेरी ननद मेरे पास पलंग पर नहीं है जब मैंने उसको आवाज दी तो वो भागकर मेरे पास आ गई और उन्हें देखकर मुझे ऐसा लगा कि जैसे मैंने उनकी कोई चोरी पकड़ ली हो। उनकी नाईट ड्रेस भी आधी खुली हुई थी.

मुझे उन पर कुछ शक हुआ तो मैंने पूछा- क्यों प्रीति सब ठीक तो है ना ?

वो हड़बड़ाकर बोली- हाँ भाभी, सब ठीक है। मैं तो टॉयलेट गयी थी और आपकी आवाज़ से डर गयी.. क्योंकि इतनी रात जो हो गयी है।

तो मैंने कहा- ठीक है.

और जैसे ही मैं सोने लगी मेरी नज़र टेबल पर रखे मेरे लेपटॉप पर गयी, वो पूरी तरह से बंद नहीं था और उसमें से लाइट भी निकल रही थी.

तो मैंने कहा- यह लेपटॉप कैसे चालू पड़ा है ?

प्रीति जल्दी से हड़बड़ाकर उसके पास गयी और उसकी बेटरी निकालकर उसे बंद कर दिया और बोली- शायद मैंने ही खुला छोड़ दिया होगा, आजकल मुझे पढ़ाई की टेन्शन में कुछ याद नहीं रहता ।

फिर मैंने सोते सोते सोचा कि कुछ तो बात है जो मेरी प्रीति मुझसे छुपा रही है । मैंने अपने आप से कहा कि ;कल रात को पता लगाऊंगी' और हम दोनों सो गये ।

फिर अगले दिन मैं स्कूल से एक बजे घर आई । उस समय मेरी ननद घर पर नहीं थी, वो बाजार गई थी कुछ खरीदारी करने के लिए ।

तो अब मौका था, मैंने सबसे पहले उसके लेपटॉप की रीसेंट फाइल्स चेक की.. लेकिन उसमें कुछ खास नहीं मिला. लेकिन जब मैंने इंटरनेट हिस्ट्री चेक की तो मैं देखकर दंग रह गयी क्योंकि उसमें रात के 12 से लेकर 2 बजे तक पोर्न साईट खोली गई थी.

अब मुझे समझते हुए ज्यादा देर नहीं लगी कि प्रीति कल रात को क्या कर रही थी.

फिर मैंने सोचा कि कोई बात नहीं वो भी क्या कर सकती हैं. अब वो धीरे धीरे जवानी की ओर बढ़ रही थी तथा वह ऐसी हाईफाई लोगों के बीच हॉस्टल में रह रही थी जहां पर लड़कों से मिलने में ज्यादा पाबंदी थी ।

इधर इन पोर्न साईट को देखने के बाद मुझे अब उनको कुछ करते हुए देखने का मन कर रहा था ।

रात का खाना खाने के बाद हम लोग सोने चले गये और मैं प्रीति की तरफ मुख करके सोने का नाटक करने लगी ।

मुझे प्रीति की आँखों में एक हवस और एक प्यास दिख रही थी और वो बार बार अपना थूक निगल रही थी मानो कितनी प्यासी हो।

धीरे धीरे रात के दो बज गये लेकिन प्रीति अपनी जगह से नहीं उठी और मुझे भी नींद आने लगी थी।

तभी अचानक प्रीति धीरे से उठी और मेरे हाथ को उठाकर वापस उसी जगह रख दिया. शायद यह देखने के लिए कि मैं गहरी नींद में हूँ या नहीं... लेकिन मैं भी वैसी की वैसी ही लेटी रही।

फिर प्रीति उठी और उन्होंने सीधे लेपटॉप खोलकर अपना काम शुरू कर दिया और मैं लेटे लेटे सब देख रही थी।

प्रीति ने धीरे धीरे अपनी मेक्सी की चैन खोलकर अपने बूब्स को बाहर निकाला और दबाने लगी और थोड़ी ही देर में प्रीति की सांसें तेज होने लगी और वो बहुत हल्की आवाज़ में 'ऊहूहूह आअहूहूह ...' करने लगी और फिर उन्हें देखकर मेरी भी चूत का पारा चढ़ने लगा और मैं अपने गाउन में अपना एक हाथ अपनी चूत में डालकर उसे मसलने लगी।

थोड़ी ही देर में मुझ पर भी सेक्स हावी होने लगा.

लेकिन इतने में ही प्रीति टॉयलेट में गई और मैंने सोचा कि क्यों ना में भी जाकर देखूँ कि वह क्या कर रही है.

टॉयलेट का दरवाजा प्रीति ने अंदर से बंद नहीं किया था। और जैसे ही मैंने अंदर झांका, मैं दंग रह गयी.

प्रीति पूरी नंगी बाथ टब में लेटी हुई थी और उनकी आंखें बंद थी, वो एक हाथ से अपनी चूत को रगड़ रही थी और दूसरे हाथ से अपने बूब्स को ऐसे मसल रही थी जैसे उसे तोड़कर फेंक देना चाहती हों।

मैंने ऐसे देखा तो मेरी भी हालत खराब हो गई, मेरे नीचे भी बहुत ज्यादा गीलापन महसूस होने लगा और मेरी पेन्टी पूरी तरह से गीली हो गई।

होती भी क्यों नहीं ... क्योंकि मैं भी काफी लम्बे समय से अपने पति से दूर थी, उसके बाद पोर्न फोटो देखकर तथा अब प्रीति को इस नग्न अवस्था में देखकर मैं अपने होशोहवास खोने लगी थी.

लेकिन फिर मैंने थोड़ी हिम्मत करके और अपने शरीर एवं भावनाओं को काबू करके बाथरूम के दरवाजे को खोला और और में बड़ी हिम्मत करके बोली- प्रीति, यह क्या कर रही हो ?

तभी यह सुनकर प्रीति का तो जैसे रंग ही उड़ गया हो। थोड़ी देर वो मुझे घूरती रही... उनका गाल जो पहले एक सेब जैसा लाल था वो अब बर्फ की तरह सफेद पड़ गया था और प्रीति कुछ नहीं बोली और अपने चेहरे को अपने घुटनों में दबाकर बैठ गयी।

तभी मैं उनकी तरफ बड़ी और उनके सर पर हाथ रखकर प्यार से बोली- प्रीति क्या हुआ ? तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा तो उनकी आँखों में आँसू थे, वो बोली- कुछ नहीं ... मुझे मेरी सहेली की याद आ रही थी और मेरी भी कभी कोई इच्छा होती है लेकिन मुझे पता है कि यह इच्छा शादी से पहले कभी पूरी नहीं होगी।

यह सुनकर मुझे प्रीति पर तरस भी आ रहा था और मैं खुद भी इतना गर्म हो गयी थी कि मैं भी अब मेरी ननद प्रीति के साथ लेस्बियन सेक्स करने को मचल रही थी।

फिर मैंने प्रीति के आँसू साफ किए और उनको समझाया- कोई बात नहीं, आप जो कर रही हैं, कीजिये, मैं आपसे कुछ नहीं कहूंगी.

लेकिन शायद उनका मूड ऑफ हो गया था और वो टॉप पजामा पहनकर सोने चली गयी।

तभी मेरे दिमाग में एक आईडिया आया और मैंने अपना लेपटॉप उठाया और प्रीति के पास जाकर बैठ गयी। प्रीति से मैंने सॉरी कहा तो उन्होंने कहा- कोई बात नहीं !

अब मैंने उनसे पूछा- आप कौन सी साईट देख रही थी ?

लेकिन वो कुछ नहीं बोली ।

तो मैंने कहा- प्लीज़ बताइए ना.. यह आपकी भाभी नहीं, आपकी एक अच्छी सी परिवार की एक फ्रेंड पूछ रही है ।

इसके बाद प्रीति बैठ गयी और उन्होंने साईट एंटर की.. उस पर ऑनलाईन वीडियो चल रहा था जिसमें एक लड़का एक लड़की को बड़े प्यार से चोद रहा था ।

मैंने प्रीति से कहा- प्रीति, तुम जो करती हैं वो ग़लत नहीं है क्योंकि इस उम्र में अक्सर हॉस्टल की जवान होती लड़कियां ऐसा करती हैं और आपको यह अकेले करने की कोई जरूरत नहीं है ।

तब वो बोली- क्या मतलब ?

फिर मैंने कहा- जब तुम यह सब कर रही थी तो मैं भी लेटे लेटे अपनी चूत में उंगली कर रही थी.

और इतना सुनते ही हम दोनों की हंसी छूट पड़ी ।

फिर मैंने प्रीति को कहा- ओह तो अब तुम बड़ी हो गयी हो ।

इसके बाद मैंने प्रीति से कहा- मेरी प्यारी ननद जी, मैं तुमको एक बार फिर से दोबारा बिना कपड़ों के अपनी चूत में उंगली करते हुए देखना चाहती हूँ ।

प्रीति बोली- मैं भी भाभी... आपको इसी हालत में देखना चाहूंगी.

तभी मैं बोली- चल बदमाश..

फिर प्रीति ने कहा- नहीं भाभी, मेरा भी मन करता है प्लीज़ ।

तो मैं बोली- ठीक है.. लेकिन एक बात बताओ क्या तुम्हें लेस्बियन पसंद है ?

तो वह बोली- बाद में बताऊंगी !

धीरे धीरे मुझे भी नशा सा छाने लगा और मेरी भी साँसें तेज़ होने लगी क्योंकि मैं भी

पिछले कई महीनों से अपने पति के पास नहीं जा पाई थी और एकदम अकेली थी. पोर्न साईट देखने एवम् विडियो देखने के बाद मेरा जिस्म एक गर्म भट्टी की तरह तप रहा था जो बिना प्यास बुझे ठंडा नहीं हो सकता था।

मैं भी अब अपनी आँखें बंद करके अपनी चूत रगड़ने लगी और फिर से 'आआअहह ओओओह उफ़फऊहह...' की आवाज़ें निकालने लगी।

मैंने धीरे से अपना हाथ प्रीति के बूब्स पर रखा तो वह कहने लगी- प्लीज़ भाभी, ये सही नहीं होगा.

मैंने कहा- प्रीति, आज तुम्हें भी इसकी जरूरत है और मुझे भी। मैं तुम्हें एक लड़के जैसा सुख तो नहीं दे पाऊँगी पर एक अहसास जरूर दे सकती हूँ.. प्लीज़ रोकना मत। प्रीति ने अपने चेहरे पर जैसे सहमति के भाव बनाए.

मैं बोली- ऊफ़फ़ प्रीति ... तुम कितनी अच्छी हो!

और वो मेरे होंटों पर एक जोरदार किस करने लगी। उनकी इस अदा से मेरे तो पूरे शरीर मैं बिजली सी दौड़ गई।

और मैं अपने दोनों हाथों से उनके बूब्स पकड़कर उनको दोबारा किस करने लग गई। प्रीति ने कहा- ओह भाभी!

तभी मैं बोली कि ज़रा देखू तो मेरी प्यारी दोस्त प्रीति का बदन कैसा है और सबसे पहले मैंने उसकी मैक्सी निकाल और उसके गोरे बदन को देखकर और उसके जवान होते स्तन देखकर मुख से आह निकल गई और मैंने उसको कहा- वाह प्रीति, तुम्हारे बूब्स देखकर तो मुझे अपने 18 साल वाले बूब्स की याद आ गयी।

छोटे छोटे संतरे की तरह उसके बूब्स को मैं अपने होंटों से दबाने लगी। प्रीति ऐसे करने से अपने होशोहवास खो रही थी.

मैंने मजाक में उसको पूछा- मेरी ननदजी, तुम्हारे ये छोटे बूब्स कैसे फूल रहे हैं... क्या इनमें दूध है ?

तो उसने उसने खुद ही मस्ती में कहा- मुझे क्या पता भाभी ... खुद ही पी कर देख लो ।

इसके बाद मैंने जैसे ही उसके अपने होंठ उसके बूब्स को चूसने के लिए लगाये, उसके मुख से सिसकारियाँ निकलने लगी- भाभी ... मैं मर जाऊँगी ! ज़रा धीरे ... आआआ:ह उफफफ़ !

उसे दर्द भी हो रहा था और मज़ा भी आ रहा था ।

तभी मैं उसके दूसरे बूब को भी चूसने लगी.. उस पल को मैं बयां नहीं कर सकती । लगभग दस मिनट तक उसका दूध पीने के कारण प्रीति के चूचे और ज्यादा गुलाबी हो गए थे, और ज्यादा फूल गये थे.

अब प्रीति को भी मस्ती सूझ रही थी, अब उसने मुझे बिस्तर पर गिराया और मेरा गाउन आगे से खोल कर अपने होंठ उसने मेरी चूची पर रख दिए. मुझे इतना मजा आ रहा था कि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि क्या करूं । मैं तो बस प्रीति का चेहरा अपने चूचों पर दबाए जा रही थी ।

तभी प्रीति ने अपना सर मेरे चूचों से अलग किया और मेरे होंठों को चूसने लगी । मैं भी अपना पूरा सहयोग उसको दे रही थी ।

करीब 5 मिनट चुम्बन करने के बाद उसने मेरे बूब्स को हाथ में लिया और धीरे धीरे उन्हें मसलने लगी. मेरे बूब्स उससे काफी बड़े थे. मेरी ननद के बूब्स का साईज 28" था मगर मेरा तो 32" था । मेरे बूब्स मसले जाने के कारण वो इतने लाल और कठोरे जैसे हो गये थे कि मैं बता नहीं सकती ।

अब फिर प्रीति ने एक हाथ से मेरे बूब को दबाना शुरू किया और दूसरे को चूसने लगी । इसके बाद मैं तो जैसे बिना जल की मछली की तरह तड़पने लगी और प्रीति के सिर को

अपने बूब्स मैं दबाने लगी। करीब दस मिनट बाद उन्होंने मेरे गाऊन को निकाल दिया। मुझे महसूस हो गया था कि मेरे पेंटी पूरी गीली हो चुकी थी और मेरी ननद की चूत से भी पानी टपकने लगा था।

इसके बाद मेरी ननद मेरे पेन्टी उतारने लगी। मेरी चूत देखकर वो कहने लगी- भाभी, ऐसा लगता है कि अभी तक तुम वर्जिन हो, अभी तक चुड़ी नहीं हो... कहीं ऐसा तो नहीं कि मेरा भाई नार्मद है इसलिए तुमको नहीं चोद सका अभी तक।

तो मैंने कहा- नहीं, ऐसा नहीं है ... तुम्हारा भाई तो एक शानदार मर्द है लेकिन काफी लम्बे समय से सैक्स नहीं करने तथा योगा करने के कारण ही यह ऐसी लग रही है।

इसके बाद प्रीति ने अपना हाथ मेरी चूत के नीचे लगाया और उसका पानी चाटने लगी। मुझे तो ऐसा महसूस हुआ कि मानो मैं तो मर ही जाऊँगी क्योंकि इतना मजा तब भी नहीं आया था जब मेरे पति ने मेरी चूत को चाटा था।

इसके बाद मैंने प्रीति से पूछा- क्या तू भी अभी तक वर्जिन है या फिर कोई तेरा भी पति बन गया है ?

तो उसने सिर्फ हाँ भी और ना भी दोनों जवाब दिये।

इसके बाद तो मैंने प्रीति का सर धीरे से पकड़कर अपनी चूत पर लाकर सटा दिया। वो उसे ऐसे चाटने लगी कि जैसे कोई बरसों से प्यासे को पानी की एक बूँद मिल गयी हो और मेरी साँसें फिर से तेज होने लगी थी और दिल इतनी जोर से धड़क रहा था कि मानो अभी छाती फाड़ कर बाहर आ जाएगा।

कुछ देर बाद हम दोनों ननद भाभी 69 की पोज़िशन में आ गयी। प्रीति की आवाज़ काफ़ी तेज हो गयी थी। इतने में प्रीति ने अपने पैरों से मेरा सर जकड़ लिया और एक तेज धार उनकी चूत से निकलकर मेरे पूरे मुँह पर फैल गयी और उनके मुँह से संतुष्टि की एक हल्की

सी आवाज़ सीईईईईई... निकल गयी।

अब बारी मेरी थी काम का परम आनन्द पाने की... प्रीति मेरी चूत में अपनी जीभ डाल कर अंदर बाहर कर रही थी और अब मुझसे कंट्रोल नहीं हो रहा था- प्रीति, प्लीज़ कुछ करो! और चाटो! प्रीति और प्रीति और अंदर प्रीति! और प्लीज़ और अंदर डालो आआहह!

और मैं भी झड़ गयी।

प्रीति का पूरा मुँह मेरे पानी से नहा गया। कुछ देर हम एक दूसरे से लिपटे हुए ऐसे ही पड़े रहे।

इसके बाद प्रीति ने मुझसे कहा- बहुत मजा आया भाभी मुझे आज! अगर लड़की से इतना मज़ा आता है तो लड़के कितना मज़ा देते होंगे।

तो मैं बोली- आप चिंता मत करो मेरी प्यारी ननद जी प्रेज्यूएशन पूरी करने के एक साल साल बाद तुझे ये मज़ा ज़रूर मिलेगा.

तो वो बोली- भाभी, मैं चाहती हूँ कि आप भी इसका मज़ा मेरे साथ लेना जब तक मुझे कोई लंड नहीं मिल जाता।

यह सब करते करते सुबह के 4.30 बज गये थे। थकान से हम दोनों की हालत बहुत खराब थी और उस दिन के बाद हमारे बीच रोज़ रात को यही सब चलता रहा।

ननद भाभी के लेस्बियन सेक्स की यह स्टोरी आपको कैसी लगी? मुझे आप मेले करेंगे तो मुझे खुशी होगी.

धन्यवाद.

gmssjodhpur@gmail.com

